



तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर दुकानों में घुसा, लाखों का नुकसान

शाह टाइम्स संचादाता

थानाभवन। बुहापालतर तड़के कर्बन 3 बजे सदानन्पूर की ओर से आ रहा। एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर थाना भवन चरणवाल बर्ड स्टैंड पर खड़ी पिकअप और दूध के कंटट को टक्कर मारते हुए तीन दुकानों में जा घुसा। दुकानों से वहाने ने पहले दूध के कंटट और केला गोदाम पर केला उतारने आई। पिकअप को जोरपाल टक्कर मारी, फिर बेकाबू होकर सड़क किनारे बीमी तीन दुकानों नूर दुकान, चार औंटो स्प्रिंग पार्ट्स शरीकों की खाद की दुकान में जा घुसा। इस टक्कर से दुकानों के शरीर, कारबैटर व अन्य सामान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे लाखों रुपए के नुकसान की आशका जारी ही। रात्रि के समय हुए इस हादसे से इलाके में हड्डपंथ भूख गया। गोनीमत होकर घटना के बात सड़क पर कोई मार्ग नहीं रही, जिससे बड़ी तरह तहरीर नहीं आई है। ट्रक के नम्बरों से इस तरह की घटनाओं पर रोक लाया के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। घटना के सूचना मिलती ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायचकार लिया। ट्रक चालाक का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया अभी तक कोई तहरीर नहीं आई है। ट्रक के नम्बरों के अनुसार ट्रक मालिक का सूचना देकर बुलाया है।

</

भारत-न्यूजीलैंड 25 साल बाद होंगे आमने-सामने

● चैपियंस ट्रॉफी: एक बार फिर दोनों टीमों आईसीसी के सीमित ओवर प्राप्त के लिए खिताबी जंग लड़ेंगी

दबई, वार्ता। आलीशान इमारतों के शहर दुबई में भारत और न्यूजीलैंड के बीच नों मार्च को चैपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को मात देकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया।

25 साल बाद एक बार फिर यह दोनों टीमों आईसीसी के सीमित ओवर प्राप्त के लिए खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगे। भारत और न्यूजीलैंड चैपियंस ट्रॉफी में गुप्त ए. में शामिल थी। भारत ने गुप्त ए. में आधिकारी मैच में न्यूजीलैंड को हराया था। और अंत तक भारत को आठ दिनों के अंतर में आमने-सामने होंगे।

होंगे। भारत और न्यूजीलैंड की टीमों दो बार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़ी हैं। आधिकारी बाली मार्चीय टीम के बीच 2021 में खिताबी चैपियंस (डब्ल्यूटीमी) का फाइनल मुकाबला खेला गया था। बारिश के कारण छह दिनों के चले इस खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम भारत पर बारी पड़ी थी और कॉरियों ने भारतीय टीम को आठ विकेट से हराया। बारिश के कारण छह दिनों के लिए खिताबी जंग लड़ेगी।

होंगे। भारत का सामना करना पड़ा। अब उसका सामना एक और फाइनल में रोमांटिक शर्म की अग्रआई बाली भारतीय टीम से होगा। जो टूर्नामेंट में अंजेय रहते हुए खिताबी मुकाबले में पहुंची है। गत दो मार्च के भारत और न्यूजीलैंड के बीच इसी दुबई नेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर मुकाबला हुआ था। जिसमें भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 250 रनों का लक्ष्य रखा था। इसे मैच में वरुण चक्रवार्ती को अग्रआई में भारतीय रिपनरों के दमदार प्रशंसन से टीम डिड्या लक्ष्य का बचाव करने में सफल रही थी। चैपियंस ट्रॉफी का टीम 2015 और 2019 बनाए खिताब के फाइनल में पहुंची, लेकिन

दोनों ही बार उसे हार का सामना करना पड़ा। अब उसका सामना एक और फाइनल में रोमांटिक शर्म की अग्रआई बाली भारतीय टीम से होगा। जो टूर्नामेंट में अंजेय रहते हुए खिताबी मुकाबले में पहुंची है। गत दो मार्च के भारत और न्यूजीलैंड के बीच इसी दुबई नेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर मुकाबला हुआ था। जिसमें भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 250 रनों का लक्ष्य रखा था। इसे मैच में वरुण चक्रवार्ती को अग्रआई में भारतीय रिपनरों के दमदार प्रशंसन से टीम डिड्या लक्ष्य का बचाव करने में सफल रही थी। चैपियंस ट्रॉफी का अपना बहला ही मैच खेलते हुए खलूने ने पांच क्रिकेट झटके थे।

शमी कालार के नियम पर दोबारा विचार करने का आग्रह

कोविड-19 के दौरान आईसीसी ने गेंद पर लार के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी, दो नई गेंद नियम के आने से चिंगारी स्थिति दबई। दबई, वार्ता। अध्यक्षी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईसीसी से गेंद पर लार का इस्तेमाल करने की मंजुरी देने का आग्रह किया है। कोविड-19 के दौरान आईसीसी ने गेंद पर लार के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इससे तेज गेंदबाजों को रिवर्स स्ट्रिंग करने में मदद मिलती है, लेकिन गेंदबाज अब गेंदबाज का इस्तेमाल नहीं करने से गेंदबाजों को रिवर्स स्ट्रिंग करने में कठिनाई का सम्बन्ध नहीं बढ़ता है। वनडे क्रिकेट में दो नई गेंद का नियम आने से चिंगारी और बिंगड़ी है।

रोजा न रख कर शमी ने किया बड़ा गुनाह: बरेली

बरेली, वार्ता। आँल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष और इस्लामिक सिस्चर्च सेंटर के संस्थापक और आँल इंडिया तंतीम उलमा इस्लाम के राष्ट्रीय प्रशासनिक वौलाना शाहाबुद्दीन खालीपुरी ने कहा है कि क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने रमजान के मौके पर रोजा न रखने के बड़ा गुनाह किया है। इस दिनों दुबई में चैपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रहा है। मौलाना शाहाबुद्दीन ने क्रिकेटर के रोजा न रखने पर एक विडियो जारी कर कहा कि इस्लाम में रोजा को फैज करार दिया है।

चीन की प्रतिक्रिया

अधिकर वही हुआ जिसकी आशंका व्यक्त की जा रही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी योजना के अनुसार उन देशों पर भारी टैरिफ लगाना शुरू कर दिया, जिनके विषय में वह पहले से ही कहते रहे हैं। उनकी योजना दो अप्रैल से शुरू हो जाएगी। इस समय उनके निशाने पर मैक्सिको, कनाडा, भारत, चीन मुख्य रूप से हैं। हालांकि उनकी योजना उन सभी देशों के लिए है, जो अमेरिका के उत्पादों पर टैरिफ लगाते रहे हैं। ट्रम्प का मानना है कि वह टैरिफ के मामले में किसी पर भी रियायत नहीं करेंगे और जैसे को तैसे की भाषा में जवाब देंगे जहां तक बात मैक्सिको के कनाडा की है, उन पर तो टैरिफ लगाने की बात समझ में आती है लेकिन भारत जैसा मित्र देश जो अमेरिकी उत्पादों को लेकर इस समय काफी नर्म दिखाता रहा है और अभी तक उसने अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ का लेकर किसी भी तरह की काँइ प्रतिक्रिया नहीं दी है उससे भी पता चलता है कि भारत अमेरिका के साथ किसी तरह का व्यापारिक टकराव नहीं चाहता, जबकि मैक्सिको, कनाडा और चीन ने अमेरिका के साथ टैरिफ युद्ध में चुनौती देनी शुरू कर दी है और बदले में यह देश भी अमेरिका के उत्पादों पर शुल्क लगा रहे हैं। अब यह लड़ाई कहां तक जाएगी या व्यापार तक ही समित रहेगी या व्यापार से आगे भी निकल सकती है क्योंकि जैसी कठोर प्रतिक्रिया इस समय चीन की तरफ से देखने को मिलती है, वह दुनिया के लिए ठीक नहीं है। चीन ने यहां तक कह दिया है कि वह अमेरिका के साथ युद्ध में हर हद तक जाएगा। चाहे व्यापारिक युद्ध हो वहां अन्य काँइ पूरे दम-खम के साथ अमेरिका से लड़ेगा। जिस तरह चीन ने अपना एकाएक 7.2 ट्रिप्तिशत अपना रक्षा बजट बढ़ाया है, वह भी चौंकाने वाला है। इस समय कुल बजट की बात करें, तो चालू वर्ष में जहां अमेरिका का रक्षा बजट 890 अरब डॉलर है तो वहीं चीन का 249 अरब डॉलर है यानि अमेरिका के बाद केवल दुनिया में चीन ही है, जो रक्षा बजट के मामले में दूसरा नंबर रखता है। जहां तक बात भारत की है, भारत का रक्षा बजट 890 अरब डॉलर है। मलबाल साफ है कि चीन अपना रक्षा बजट बढ़ाकर अमेरिका को सीधे चुनौती तो नहीं लोकिन अप्रत्यक्ष रूप से चुनौती पेश कर रहा है कि वह उसे हल्के में न ले। इस टैरिफ वार में कौन घाटे में जाएगा और किसको लाभ होगा, यह तो उस समय पता चलेगा। जब इस संबंध में आंकड़े सामने आएंगे और ये आंकड़े अनें में अभी काफी लंबा समय लगेगा। अभी तो केवल शुरूआत भर ही है इसलिए अभी जल्दबाजी में कुछ नहीं कहा जा सकता। वैसे ट्रम्प जिस तरह फैसले ले रहे हैं, उसने विश्व को जरूर एक नई पैचीदा स्थिति में डाल दिया है। सबसे बड़ी यह मुश्किल पैदा कर रही है वह उनके फैसले लेने का स्वाभाव है। अब देखना है कि दुनिया पर उनके फैसलों का क्या प्रभाव पड़ता है।

मोदी ने गंगा सफाई की गारंटी को भुलाया



मल्लिकार्जुन खड्गे
अध्यक्ष कांगेम

‘छावा’ की इलीज के बाद औरंगजेब को लेकर गहराता विवाद

बैंक्स आौफिस की ब्लॉक बस्टर फिलम छावा की रिलीजिंग के बाद से देश भर में मुगल बादशाह औरंगजेब का निरोध हो रहा है। इसी बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अब आजमी की मुश्किल बढ़वाएं रख रहे हैं। औरंगजेब की तारीफों के पुल बांधकर अब बुरी तरह से फंस गए हैं। महाराष्ट्र में अबू के खिलाफ एक अंडाइआर दर्ज कर दी गई है। साथाल मीटिंगों पर भी कई लोग अबू के बयान पर नारजीसा जाहिर कर रहे हैं। चूंबई के मानवरुद्ध शिवायों ने निर्विकल्प क्षेत्र से विद्यार्थकों ने दबाव किया, हमारा जीडीपी विश्व सकल घरेलू उत्पाद का 24 प्रतिशत था और भारत (ओरंगजेब के समय) सोने की चिन्हियां कहा जाता था। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अबू आजमी के बयान इस सवाल के बाद फैजायदा भडक गए थे। उन्होंने कहा कि छठप्रति संभाजी महाराज को जिसने 40 दिनों तक धंधक बनाकर मारा, वह उत्तम प्रशासक कैसे हो सकता है? एकानाथ शिंदे के अलावा विश्वसन बुरीटी नाम दातिल्य ताके ने अब आजमी के द्वय बनाए नारजीसा जाहिर की है।

अब आजमा के बारे में बालीलौह फिल्म छावा के संदर्भ में कहा कि सारा गलत इतिहास दिखाया था जो रहा है। उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए और वह क्रूर नेता नहीं था। सपा के विधायक ने कहा कि छत्तीरी सभाओं में हमाराज और औरंगजेब के बीच लड़ाई धर्मिक ही वालिंक सत्ता के लिए थी। उन्होंने कहा कि छत्तीरी सभाओं में हमाराज और औरंगजेब के बीच लड़ाई सत्ता के लिए थी। अगर कोई कहता है कि यह लड़ाई धर्म के लिए थी, तो मैं इस पर विचारना नहीं करता। उस समय के राजा सत्ता और संपत्ति के लिए संघर्ष करते थे, लोकन यह धर्मिक नहीं था। उसने (औरंगजेब) 52 माल तक सारन किया, और अगर वह कावई हिंदुओं को मुसलमान बना रहा था- तो कल्पना को ऐसे कि कितने हिंदुओं ने धर्म परिवर्तन किया होआ। उन्होंने कहा कि आप औरंगजेब रम्भतुल्हाह ने मंदिर तोड़े थे, तो उसने मर्जिनी भी तोड़ी थी। अगर वह हिंदुओं को विलाप हाता, तो 34 प्रतिशत दिवू उसके साथ नहीं होते, और उसके सलाहकार हिंदू नहीं होते। इसे हिंदू-मुस्लिम एंगल

-2-

66 सपा के विधायक ने कहा: छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच लड़ाई धार्मिक नहीं बल्कि सत्ता के बीच हुई।

जिसके बाद उसने इस बात की जानकारी दूसरे लोगों की और फिर इस मामले की वहाँ से शहर का लां एंड ऑंडर खाल न हो इस बहाँ से विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने पुलिस का रखा किया। भायदर पुलिस ने अपने दस माहों के जांच अधिकारी अंतिम दस दिन ते बताया था कि 23 अगस्त के दिन विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री नांगनाथ कांबले ने शिकायत दी की, जिसमें उन्होंने बताया कि एक सालिल काम का लड़का, है जिसने अपनी इंस्ट्रायमेंटरी पर और आगे जेव और टापू मुलतान इन दो काम के बाद अपनी बाया गोल बाया है और उसे बाया किया है, और आगे बताया कि जिसके बाद हमने उसे देखकर वेरिफाई किया और सीनियर अधिकारियों से बातचार कर हमने एक आईआर दर्ज की है, वह एक आईआर अंगीरीसी की धारा 3(ए) और 34 के तहत दर्ज किया है, एक आईआर लंबे कर हमने सालिल का पता लगाया और उसे भायदर इलाके से गिरफ्तार किया, इस मामले निशान नाम के दूसरे आरोपी की

तलाश की जा रही है। अपाके ताल दें की बीते कुछ महीनों में ऐसे ही कामाल वाहाना के कोलाहल पर, अहमदतगर, धुले और नासिक से भी साथे आये हैं। इसी साल वाहाना के अहमदतगर के संगमनेर तालुका में औरंजेबवां की तारीख में पास्टर लगानी की घटना सामन आई थी वहाँ विराग प्रशंसन किया गया था। ये पहली घटना थी, जिसके बाद प्रशंसन के बाद अब जलाली की ओर से पथराया गया जिसमें दो लाया गयां हो गए थे और एक गाड़ियाँ को नुकसान हुआ था। पास्टर के बाद तुरंत दूसरे दिन यारी 7 जून के दिन कुछ लोगों ने कालाहापुर में औरंजेबवां थोड़ी पुरुतातान का स्टेस्ट अपने साशल मीडिया पर रखा था। ये दुसरी घटना थी, जिसके बाद अब कुछ हिंदू संघरण इसके विरोध प्रशंसन के लिए इकट्ठा हुए थे। उस पास्टर साशल मीडिया पर वायरल करने वाल के खिलाफ कारंवाइ की मांग को लोकर 'कालाहापुर बढ़' का आया किया। इसी बीच प्रशंसन कियाँ और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति पैदा हुई थी। (ये लेखक के अपने विचार हैं, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक व टिप्पणीकार)

बालों के झड़ने को कहें अलविदा, ये जादुई तेल बालों को बनाएगा मजबूत और लंबा

Aजकल बते प्रवृत्ति, अनहेल्टी लाइफस्टाइल, खानावन और तात्पर की बजाए से लोग कई समयों का समान करते हैं। तो इन्होंने कि कारण बाल झड़ने और हरय ग्राथ की समस्या भी बढ़ती जा रही है। इसलिए लोग बालों की केवर के लिए तार-तार के द्वारा ट्रिम्स-ट्रिम्स वा लुक्स प्रोडक्शन का इस्तेमाल करते हैं। जो बालों को अधिक खराक कर देते हैं। ऐसे में आप घरेलू नुस्खों का सहारा लेकर हरय फालों को समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। इसके आकां बाल नेचुरल तरीके से लोग और उन्हें लिंगों अपर आप भी बालों के झड़ने की स्थित हैरय ग्राथ बाल जाने की समस्या से परेंगे हैं, तो आज हाँ आपको की हाँ मैम्पेड तेल

- बेरी बेरी लीव्स- 6-7 पत्तियाँ
 - करी पत्ता- 6-7 पत्तियाँ
 - कलांगी- 1 टेबलस्पून
 - काले तिल- 1 टेबलस्पून
 - नारियल तेल- 1 बड़ी कटोरी
 - चिदाम्बन- ईंकेसूल- 2

अरडा

- एक स्टोरी के बर्तन में नारियल का तेल निकाल लो।
 - फिर गैस पर नारियल के तेल को पिघला लों और गैस धीमी रखना है।
 - तेल पिघल जाने के बाद उसमें करी पत्ता, काले तिल, बेरी-बेरी लिव्स और कलेंजाल डालकर अच्छे से पकड़ लो।
 - इस तेल को तब तक खौलाएं जब तक यह आधा न रह जाए।
 - इस प्रक्रिया में करीब 1 घंटे का समय लग सकता है।
 - तब तेल करार आए रह जाए, तो इसमें विटामिन ई के कैप्सूल और अरंडी का तेल मिला दें।

- इस मिश्रण का अंतर्गत जब यह ठंडा हो जाएगा तो वह उपकारी हो जाएगा।

कैसे करें इस्तेमाल...

बता दें कि सप्ताह में दो बार आप इस तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं बाल धोने से एक दिन पहले अच्छे से इस तेल से सिर की मालिश करें। जिससे कि पूरा रात तेल अच्छे से बालों को जड़ों तक पहुंच जाए। फिर अगले दिन सुबह उठकर फ्रेश और तेल से खुश हों।

